

UNIVERSITY OF DELHI**B.A. (Hons.) Hindi****Ability Enhancement Course (AEC)****(SEMESTER-I)**

based on

Undergraduate Curriculum Framework 2022 (UGCF)

(Effective from Academic Year 2022-23)

**List of AEC Courses (Choose one from a pool)**

S.No.	Course Title	Nature of Course	Total Credits	Components			Annexures (Contents of the Course and Reference is in)	Eligibility Criteria/ Prerequisite
				L	T	P		
1.	हिन्दी 'क' अनुवाद कौशल अथवा हिंदी भाषा: सम्प्रेषण और संचार	AEC	2				Annexure-I	Studied Hindi upto 12 th
2.	हिन्दी 'ख' भाषा कौशल: व्यावहारिक अध्ययन अथवा मीडिया लेखन	AEC	2				Annexure-II	Studied Hindi upto 10 th
3.	हिन्दी 'ग' हिंदी भाषा और संचार माध्यम अथवा रचनात्मक लेखन	AEC	2				Annexure-III	Studied Hindi upto 08 th

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के अनुरूप
बी. ए. प्रोग्राम पाठ्यक्रम - सत्र 2022 से जारी
AEC - Ability Enhancement Course
योग्यता संवर्धक पाठ्यक्रम

सेमेस्टर 1:

1. हिंदी 'क' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने बारहवीं कक्षा तक हिन्दी पढ़ी है।)

हिन्दी भाषा और साहित्य

अथवा

प्रयोजनमूलक हिन्दी

2. हिंदी 'ख' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने दसवीं कक्षा तक हिन्दी पढ़ी है।)

हिन्दी भाषा और मीडिया

अथवा

राष्ट्रभाषा और राजभाषा के रूप में हिन्दी

3. हिंदी 'ग' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने आठवीं कक्षा तक हिन्दी पढ़ी है।)

भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन और हिन्दी

अथवा

कार्यालयी हिंदी

सेमेस्टर - 1**हिन्दी 'क'****हिन्दी भाषा और साहित्य****पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):**

- हिन्दी भाषा के सम्बन्ध में विद्यार्थी की जानकारी को बढ़ाना
- विद्यार्थी की भाषायी-दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन देना
- रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना
- विद्यार्थी की लेखन क्षमता को बढ़ावा देना

शिक्षण-प्रशिक्षण प्रक्रिया से अर्जित ज्ञान (Course Learning Outcomes):

- भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा।
- स्नातक स्तर के विद्यार्थी भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा।
- वार्तालाप, भाषण, संवाद, समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा।
- समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा।

इकाई 1: हिन्दी भाषा का सामान्य परिचय

- आधुनिक हिन्दी भाषा के विकास का संक्षिप्त परिचय
- स्वाधीनता आन्दोलन और हिन्दी भाषा (राष्ट्रभाषा के सन्दर्भ में)
- हिन्दी भाषा: सम्प्रेषण का प्रभावशाली माध्यम (संपर्क भाषा)

इकाई 2: हिन्दी भाषा: सम्प्रेषण के विविध आयाम

- बोलचाल की भाषा, लोकभाषा के रूप में हिन्दी
- मानक हिन्दी

- कार्यालयी हिन्दी

व्यावहारिक कार्य/भाषा-प्रयोगशाला/फील्ड वर्क

इकाई 3:

- रचनात्मक लेखन- कहानी/कविता/यात्रा वृत्तांत
- सोशल मीडिया के लिए लेखन (ब्लॉग लेखन/फेसबुक पोस्ट)
- भाषा की दृष्टि से किसी एक फिल्म का विश्लेषण ('दोस्ती', 'तारे जमीन पर', 'लगान')

इकाई 4:

- 'पुष्प की अभिलाषा' (कविता - माखनलाल चतुर्वेदी) - वाचन और विश्लेषण
- 'मन्त्र' (प्रेमचंद की कहानी) - पठन, संवाद वाचन और सार लेखन
- 'हो गयी है पीर पर्वत सी' (गज़ल - दुष्यंत कुमार) - पठन और मौखिक/लिखित अभिव्यक्ति

नोट: इकाई 4 में दिए गए विषयों के आधार पर निर्मित फ़ाइल कार्य के विकल्प के रूप में परियोजना कार्य/अनुवाद कार्य भी किया जा सकता है।

- परियोजना कार्य : न्यूनतम 25 अधिकतम 50 पृष्ठों में विषय से सम्बद्ध शीर्षक पर ।
- अनुवाद कार्य: लगभग 1000 शब्दों में विषय से सम्बद्ध सामग्री का हिंदी भाषा में अनुवाद।
- फ़ाइल कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद का परीक्षण बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

सहायक पुस्तकें:

1. हिन्दी भाषा का इतिहास - धीरेन्द्र वर्मा: हिन्दुस्तानी अकैडमी, इलाहाबाद
2. हिन्दी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक - डॉ. हनुमानप्रसाद शुक्ल: प्रकाशक : लोकभारती प्रकाशन संस्करण 1994
3. मीडिया की भाषा - वसुधा गाडगिल: अध्ययन पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रिब्यूटर्स, संस्करण 2000
4. रचनात्मक लेखन - सं रमेश गौतम: भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली संस्करण 2016
5. हिन्दी भाषा - हरदेव बाहरी: अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी - सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झालटे: वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2010
7. मानक हिन्दी का स्वरूप - भोलानाथ तिवारी: प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008

Teaching Learning Process:

- इकाई 1-2 सैद्धांतिक कक्षाओं के लिए
- इकाई 3-4 प्रायोगिक कक्षाओं के लिए

Assessment Method:

- कुल अंक: 50
- लिखित परीक्षा: 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद: 12 अंक

अथवा

हिन्दी 'क'

प्रयोजनमूलक हिन्दी

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन देना
- रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना
- हिन्दी की प्रयोजनमूलकता से परिचय करवाना
- हिन्दी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क आधारित विश्लेषण और लेखन पर बल

शिक्षण-प्रशिक्षण प्रक्रिया से अर्जित ज्ञान (Course Learning Outcomes):

- भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा।
- स्नातक स्तर का विद्यार्थी भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा।
- वार्तालाप, भाषण, संवाद, समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा।
- समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा।

इकाई 1: प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप

- प्रयोजनमूलक हिन्दी: अभिप्राय

- प्रयोजनमूलक हिन्दी का उद्देश्य
- बोलचाल की हिन्दी और प्रयोजनमूलक हिन्दी में अंतर

इकाई 2: प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूप

- कार्यालयी हिन्दी: अभिप्राय, क्षेत्र
- पत्राचार के विभिन्न प्रकार
- कार्यालय में प्रयुक्त प्रशासनिक अभिव्यक्तियाँ (कोई 20)

व्यावहारिक कार्य/ भाषा प्रयोगशाला/फील्ड वर्क

इकाई 3

- समाचार पत्रों में प्रकाशित होने वाले किन्हीं दो विज्ञापनों का भाषागत विश्लेषण
- रेडियो-टेलीविज़न, सोशल मीडिया में प्रसारित होने वाले किन्हीं दो प्रिय विज्ञापनों की विशेषताओं का वर्णन
- हिन्दी शब्द कोश को देखने का अभ्यास

इकाई 4

- समाचार पत्रों के लिए विज्ञापन का प्रारूप तैयार करना
- कार्यालय में प्रयुक्त होने वाले पत्राचार के विभिन्न रूपों का लेखन (स्व-वृत्त लेखन, आवेदन लेखन)
- साक्षात्कार का अभ्यास, समूह चर्चा

नोट: इकाई 4 में दिए गए विषयों के आधार पर निर्मित फ़ाइल कार्य के विकल्प के रूप में परियोजना कार्य/अनुवाद कार्य भी किया जा सकता है।

- परियोजना कार्य: न्यूनतम 25 अधिकतम 50 पृष्ठों में विषय से सम्बद्ध शीर्षक पर ।
- अनुवाद कार्य: लगभग 1000 शब्दों में विषय से सम्बद्ध सामग्री का हिंदी भाषा में अनुवाद।
- फ़ाइल कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद का परीक्षण बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

सहायक पुस्तकें:

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी - माधव सोनटक्के: लोकभारती प्रकाशन संस्करण 2008
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका - कैलाशनाथ पाण्डेय: लोकभारती प्रकाशन संस्करण 2007
3. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी - कृष्ण कुमार गोस्वामी: कलिंग पब्लिकेशन्स
4. व्यावहारिक हिन्दी एवं प्रयोग - डॉ. ओम प्रकाश: राजपाल एंड संस संस्करण 2003

5. प्रायोगिक हिन्दी - सं रमेश गौतम: ओरिएंट ब्लैकस्वान प्रकाशन, संस्करण 2013
6. हिन्दी भाषा - हरदेव बाहरी: अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी - सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झालटे: वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2010
8. मानक हिन्दी का स्वरूप - भोलानाथ तिवारी: प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008

शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया (Teaching Learning Process)

- इकाई 1-2 सैद्धांतिक कक्षाओं के लिए
- इकाई 3-4 प्रायोगिक कक्षाओं के लिए

मूल्यांकन पद्धति (Assessment Method)

- कुल अंक: 50
- लिखित परीक्षा: 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद: 12 अंक

हिन्दी 'ख'

हिन्दी भाषा और मीडिया

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन देना
- रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना
- विभिन्न जनसंचार माध्यमों में हिन्दी भाषा के स्वरूप से अवगत कराना
- मीडिया में हिन्दी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क आधारित पर विश्लेषण और लेखन पर बल

शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया से अर्जित ज्ञान (Course Learning Outcomes):

- भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा।
- स्नातक स्तर का विद्यार्थी भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा।
- वार्तालाप, भाषण, संवाद, समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा।
- समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा।

इकाई 1: मानक हिन्दी और मीडिया

- मानक हिन्दी का महत्व
- मानक हिन्दी की विशेषताएँ
- मीडिया में मानक हिन्दी

इकाई 2: मीडिया में हिन्दी का प्रयोग

- प्रिंट मीडिया की हिन्दी
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की हिन्दी
- सोशल मीडिया की हिन्दी

व्यावहारिक कार्य/भाषा-प्रयोगशाला/फील्ड वर्क

इकाई 3

- मीडिया के लिए रचनात्मक लेखन (संवाद/पटकथा)
- प्रिंट मीडिया के लिए फीचर लेखन
- सोशल मीडिया के लिए लेखन (फेसबुक पोस्ट, ब्लॉग लेखन)

इकाई 4

- 'मेरे देश की धरती सोना उगले' (उपकार फिल्म) - गीत की भाषा का विश्लेषण
- किसी एक फिल्म पर समूह चर्चा ('उपकार', 'श्री इंडियट्स', भाग मिल्खा भाग')
- किन्हीं पाँच समाचार शीर्षकों का एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद

नोट: इकाई 4 में दिए गए विषयों के आधार पर निर्मित फ़ाइल कार्य के विकल्प के रूप में परियोजना कार्य/अनुवाद कार्य भी किया जा सकता है।

- परियोजना कार्य: न्यूनतम 25 अधिकतम 50 पृष्ठों में विषय से सम्बद्ध शीर्षक पर।
- अनुवाद कार्य: लगभग 1000 शब्दों में विषय से सम्बद्ध सामग्री का हिंदी भाषा में अनुवाद।
- फ़ाइल कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद का परीक्षण बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

सहायक पुस्तकें:

1. हिन्दी भाषा का इतिहास - धीरेन्द्र वर्मा: हिन्दुस्तानी अकैडमी, इलाहाबाद
2. आधुनिक जनसंचार और हिन्दी - हरिमोहन: तक्षशिला प्रकाशन संस्करण 2006
3. रचनात्मक लेखन - सं रमेश गौतम: भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली संस्करण 2016
4. प्रायोगिक हिन्दी - सं रमेश गौतम: ओरिएंट ब्लैकस्वान प्रकाशन, संस्करण 2013
5. हिन्दी भाषा - हरदेव बाहरी: अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी - सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झालटे: वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2010
7. मानक हिन्दी का स्वरूप - भोलानाथ तिवारी: प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008

शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया (Teaching Learning Process)

- इकाई 1-2 सैद्धांतिक कक्षाओं के लिए
- इकाई 3-4 प्रायोगिक कक्षाओं के लिए

मूल्यांकन पद्धति (Assessment Method)

- कुल अंक: 50
- लिखित परीक्षा: 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद: 12 अंक

अथवा

हिन्दी 'ख'

हिन्दी भाषा

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थी की भाषायी दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना
- राजभाषा और राजभाषा के रूप में हिन्दी की यात्रा की जानकारी देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन देना
- हिन्दी में रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना
- राजभाषा और राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क पर आधारित विश्लेषण और लेखन पर बल

शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया से अर्जित ज्ञान (Course Learning Outcomes):

- भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा।
- स्नातक स्तर का विद्यार्थी भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा।

- वार्तालाप, भाषण, संवाद, समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा ।
- समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा ।

इकाई 1: राष्ट्रभाषा हिन्दी

- राष्ट्रभाषा हिन्दी और राष्ट्रीय एकता
- महात्मा गाँधी, राजेन्द्र प्रसाद, के. एम. मुंशी के राष्ट्रभाषा हिन्दी के सम्बन्ध में विचार
- राष्ट्रभाषा हिन्दी के समक्ष चुनौतियाँ

इकाई 2: भारतीय संविधान में हिन्दी

- संविधान की आठवीं अनुसूची में वर्णित भारतीय भाषाओं की सूची तैयार करना
- संविधान की आठवीं अनुसूची में वर्णित भारतीय भाषाओं में से किन्हीं दो का संक्षिप्त परिचय
- संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी

व्यावहारिक कार्य/भाषा-प्रयोगशाला/फील्ड वर्क

इकाई 3

- औपचारिक पत्र लेखन
- ज्ञापन लेखन
- स्व-वृत्त लेखन

इकाई 4

- राष्ट्रभाषा से सम्बन्धित स्लोगन लेखन
- राष्ट्रप्रेम/हिन्दी भाषा से सम्बन्धित किन्हीं दो कविताओं का संकलन
- राष्ट्रभाषा के संबंध में हिन्दी के किन्हीं दो प्रमुख साहित्यकारों के विचारों का संकलन

नोट: इकाई 4 में दिए गए विषयों के आधार पर निर्मित फ़ाइल कार्य के विकल्प के रूप में परियोजना कार्य/अनुवाद कार्य भी किया जा सकता है।

- परियोजना कार्य: न्यूनतम 25 अधिकतम 50 पृष्ठों में विषय से सम्बद्ध शीर्षक पर ।
- अनुवाद कार्य: लगभग 1000 शब्दों में विषय से सम्बद्ध सामग्री का हिंदी भाषा में अनुवाद।

- फ़ाइल कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद का परीक्षण बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

सहायक पुस्तकें:

1. भाषायी अस्मिता और हिन्दी - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव: वाणी प्रकाशन संस्करण 2016
2. भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका - विद्यानिवास मिश्र: बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् संस्करण 1978
3. हिन्दी भाषा - हरदेव बाहरी: अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी - सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झालटे: वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2010
5. मानक हिन्दी का स्वरूप - भोलानाथ तिवारी: प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008

शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया (Teaching Learning Process)

- इकाई 1-2 सैद्धांतिक कक्षाओं के लिए
- इकाई 3-4 प्रायोगिक कक्षाओं के लिए

मूल्यांकन पद्धति (Assessment Method)

- कुल अंक: 50
- लिखित परीक्षा: 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद: 12 अंक

हिन्दी 'ग'

हिन्दी मीडिया

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन देना
- भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन में हिन्दी के महत्त्व को समझाना
- हिन्दी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क पर आधारित विश्लेषण
- विद्यार्थी के लेखन कौशल को बढ़ावा देना

शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया से अर्जित ज्ञान (Course Learning Outcomes):

- भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा।
- स्नातक स्तर का विद्यार्थी भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा।
- वार्तालाप, भाषण, संवाद, समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा।
- समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा।

इकाई 1: हिन्दी भाषा का महत्त्व

- राष्ट्रीय एकता और हिन्दी
- संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी
- रोजमर्रा के जीवन में हिन्दी की उपयोगिता

इकाई 2 मीडिया में हिन्दी

- सोशल मीडिया में हिन्दी
- फिल्मों में हिन्दी

- विज्ञापन में हिन्दी

व्यावहारिक कार्य/भाषा-प्रयोगशाला/फील्ड वर्क

इकाई 3

- हिन्दी फिल्मों के किन्हीं पाँच लोक गीतों का संकलन
- तीज-त्योहारों से सम्बन्धित किन्हीं पाँच विज्ञापनों का संकलन
- 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' पर केन्द्रित किसी कार्यक्रम पर आधारित रिपोर्ट प्रस्तुति

इकाई 4

- किसी पर्यटन स्थल की यात्रा का अनुभव-लेखन
- किसी एक भारतीय पर्व संबंधी रिपोर्ट लेखन
- किसी क्रिकेट मैच को देखने का अनुभव-लेखन

नोट: इकाई 4 में दिए गए विषयों के आधार पर निर्मित फ़ाइल कार्य के विकल्प के रूप में परियोजना कार्य/अनुवाद कार्य भी किया जा सकता है।

- परियोजना कार्य: न्यूनतम 25 अधिकतम 50 पृष्ठों में विषय से सम्बद्ध शीर्षक पर।
- अनुवाद कार्य: लगभग 1000 शब्दों में विषय से सम्बद्ध सामग्री का हिंदी भाषा में अनुवाद।
- फ़ाइल कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद का परीक्षण बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

सहायक पुस्तकें

1. रचनात्मक लेखन - सं. रमेश गौतम: भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली संस्करण 2016
2. भाषायी अस्मिता और हिन्दी - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव: वाणी प्रकाशन संस्करण 2016
3. भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका - विद्यानिवास मिश्र: बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् संस्करण 1978
4. हिन्दी भाषा - हरदेव बाहरी: अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी - सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झालटे: वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2010
6. मानक हिन्दी का स्वरूप - भोलानाथ तिवारी: प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008

शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया (Teaching Learning Process)

- इकाई 1-2 सैद्धांतिक कक्षाओं के लिए

- इकाई 3-4 प्रायोगिक कक्षाओं के लिए
- मूल्यांकन पद्धति (Assessment Method)
- कुल अंक: 50
 - लिखित परीक्षा: 38 अंक
 - आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद: 12 अंक

अथवा

हिन्दी 'ग'

कार्यालयी हिंदी

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन देना
- रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना
- कार्यालयों में हिन्दी के प्रयोग की जानकारी
- हिन्दी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क पर आधारित विश्लेषण
- विद्यार्थी के लेखन कौशल को बढ़ावा देना

शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया से अर्जित ज्ञान (Course Learning Outcomes):

- भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा।
- स्नातक स्तर का विद्यार्थी भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा।
- वार्तालाप, भाषण, संवाद, समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा।
- समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा।

इकाई 1: कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप

- कार्यालय में हिन्दी का उपयोग
- विश्व के किन्हीं दो राष्ट्रों की कार्यालयी भाषा का संक्षिप्त परिचय
- हिन्दी का अंतर्राष्ट्रीय रूप (मॉरीशस, सूरीनाम, फीजी में हिन्दी)

इकाई 2: औपचारिक लेखन

- समाचार पत्र के संपादक के नाम पत्र-लेखन
- ज्ञापन-लेखन
- परिपत्र-लेखन

व्यावहारिक कार्य/भाषा-प्रयोगशाला/फील्ड वर्क

इकाई 3

- जनहित में किये गये किसी कार्य का अनुभव-लेखन
- किसी समाचार-पत्र के सम्पादक के नाम पत्र-लेखन
- कॉलेज में आने का अनुभव-लेखन

इकाई 4

- छात्रसंघ चुनाव से संबंधित रिपोर्ट लेखन
- वार्षिकोत्सव का अनुभव-लेखन
- खेल दिवस का आँखों-देखा हाल लिखना

नोट: इकाई 4 में दिए गए विषयों के आधार पर निर्मित फ़ाइल कार्य के विकल्प के रूप में परियोजना कार्य/अनुवाद कार्य भी किया जा सकता है।

- परियोजना कार्य: न्यूनतम 25 अधिकतम 50 पृष्ठों में विषय से सम्बद्ध शीर्षक पर।
- अनुवाद कार्य: लगभग 1000 शब्दों में विषय से सम्बद्ध सामग्री का हिंदी भाषा में अनुवाद।
- फ़ाइल कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद का परीक्षण बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

सहायक पुस्तकें:

1. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी - कृष्ण कुमार गोस्वामी: कलिंग पब्लिकेशन्स
2. व्यावहारिक हिन्दी एवं प्रयोग - डॉ. ओम प्रकाश: राजपाल एंड संस संस्करण 2003
3. प्रायोगिक हिन्दी - सं. रमेश गौतम: ओरिएंट ब्लैकस्वान प्रकाशन, संस्करण 2013
4. हिन्दी भाषा - हरदेव बाहरी: अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली

5. प्रयोजनमूलक हिन्दी - सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झालटे: वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2010
6. मानक हिन्दी का स्वरूप - भोलानाथ तिवारी: प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008

शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया (Teaching Learning Process)

- इकाई 1-2 सैद्धांतिक कक्षाओं के लिए
- इकाई 3-4 प्रायोगिक कक्षाओं के लिए

मूल्यांकन पद्धति (Assessment Method)

- कुल अंक: 50
- लिखित परीक्षा: 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद: 12 अंक